



06032026

06 Mar 2026

06:10 PM

Meerut

Model: web-freekundliweb

Order No: 121530903

लिंग _____: पुल्लिंग
जन्म तिथि _____: 06/03/2026
दिन _____: शुक्रवार
जन्म समय _____: 18:10:00 घंटे
इष्ट _____: 28:45:55 घटी
स्थान _____: Meerut
राज्य _____: Uttar Pradesh
देश _____: India

अक्षांश _____: 29:00:00 उत्तर
रेखांश _____: 77:42:00 पूर्व
मध्य रेखांश _____: 82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार _____: -00:19:12 घंटे
ग्रीष्म संस्कार _____: 00:00:00 घंटे
स्थानिक समय _____: 17:50:48 घंटे
वेलान्तर _____: -00:11:17 घंटे
साम्पातिक काल _____: 04:47:51 घंटे
सूर्योदय _____: 06:39:37 घंटे
सूर्यास्त _____: 18:21:47 घंटे
दिनमान _____: 11:42:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन) _____: उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल) _____: दक्षिण
ऋतु _____: वसन्त
सूर्य के अंश _____: 21:43:18 कुम्भ
लग्न के अंश _____: 19:57:29 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति _____: सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी _____: कन्या - बुध
नक्षत्र-चरण _____: चित्रा - 2
नक्षत्र स्वामी _____: मंगल
योग _____: वृद्धि
करण _____: बव
गण _____: राक्षस
योनि _____: व्याघ्र
नाड़ी _____: मध्य
वर्ण _____: वैश्य
वश्य _____: मानव
वर्ग _____: मूषक
युँजा _____: मध्य
हंसक _____: भूमि
जन्म नामाक्षर _____: पो-पौरुष
पाया(राशि-नक्षत्र) _____: रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____: मीन

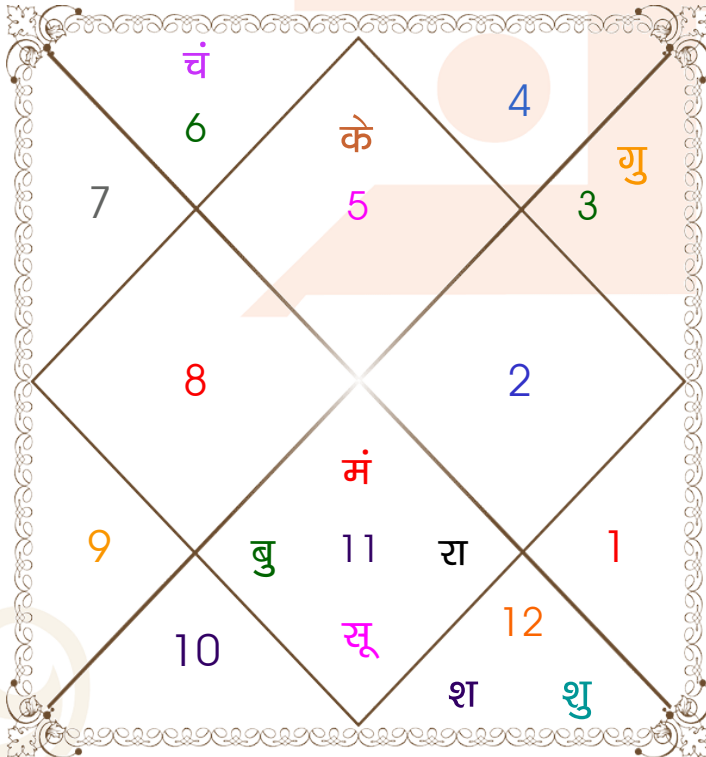
ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	19:57:29	315:22:53	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	राहु	---
सूर्य			कुंभ	21:43:18	01:00:03	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	27:51:09	12:27:48	चित्रा	2	14	बुध	मंगल	गुरु	मित्र राशि
मंगल	अ		कुंभ	08:52:29	00:47:16	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	गुरु	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	23:34:53	00:58:49	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:53:52	00:00:54	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	05:52:28	01:14:39	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	उच्च राशि
शनि			मीन	08:09:53	00:07:17	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:43:58	00:00:50	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:43:58	00:00:50	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:38:21	00:01:34	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:01:13	00:02:13	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:27:14	00:01:32	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	19:08:32	--	रोहिणी	--	4	शुक्र	चंद्र	बुध	--

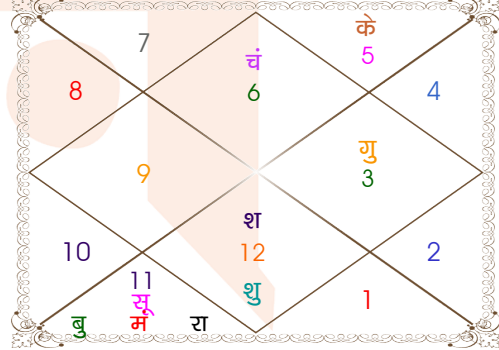
व - वकी स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

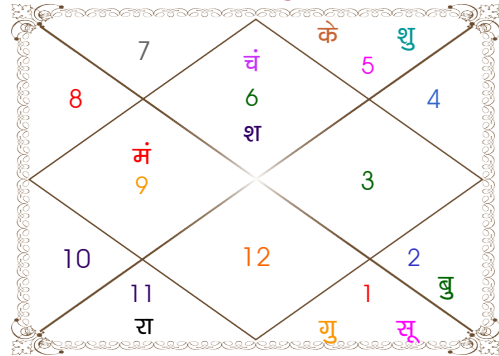
लग्न-चलित



चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 7 मास 16 दिन

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
06/03/2026	21/10/2030	21/10/2048	21/10/2064	22/10/2083
21/10/2030	21/10/2048	21/10/2064	22/10/2083	22/10/2100
00/00/0000	राहु 04/07/2033	गुरु 09/12/2050	शनि 25/10/2067	बुध 19/03/2086
06/03/2026	गुरु 27/11/2035	शनि 21/06/2053	बुध 04/07/2070	केतु 17/03/2087
गुरु 13/03/2026	शनि 03/10/2038	बुध 27/09/2055	केतु 13/08/2071	शुक्र 14/01/2090
शनि 22/04/2027	बुध 22/04/2041	केतु 02/09/2056	शुक्र 12/10/2074	सूर्य 21/11/2090
बुध 18/04/2028	केतु 10/05/2042	शुक्र 04/05/2059	सूर्य 24/09/2075	चंद्र 21/04/2092
केतु 14/09/2028	शुक्र 10/05/2045	सूर्य 20/02/2060	चंद्र 25/04/2077	मंगल 19/04/2093
शुक्र 15/11/2029	सूर्य 04/04/2046	चंद्र 21/06/2061	मंगल 03/06/2078	राहु 06/11/2095
सूर्य 22/03/2030	चंद्र 03/10/2047	मंगल 28/05/2062	राहु 09/04/2081	गुरु 11/02/2098
चंद्र 21/10/2030	मंगल 21/10/2048	राहु 21/10/2064	गुरु 22/10/2083	शनि 22/10/2100

केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष	मंगल 7 वर्ष
22/10/2100	23/10/2107	23/10/2127	22/10/2133	23/10/2143
23/10/2107	23/10/2127	22/10/2133	23/10/2143	00/00/0000
केतु 20/03/2101	शुक्र 21/02/2111	सूर्य 09/02/2128	चंद्र 23/08/2134	मंगल 20/03/2144
शुक्र 20/05/2102	सूर्य 21/02/2112	चंद्र 10/08/2128	मंगल 24/03/2135	राहु 07/04/2145
सूर्य 25/09/2102	चंद्र 22/10/2113	मंगल 16/12/2128	राहु 22/09/2136	गुरु 07/03/2146
चंद्र 26/04/2103	मंगल 22/12/2114	राहु 09/11/2129	गुरु 22/01/2138	00/00/0000
मंगल 22/09/2103	राहु 22/12/2117	गुरु 29/08/2130	शनि 23/08/2139	00/00/0000
राहु 10/10/2104	गुरु 22/08/2120	शनि 11/08/2131	बुध 21/01/2141	00/00/0000
गुरु 16/09/2105	शनि 23/10/2123	बुध 16/06/2132	केतु 22/08/2141	00/00/0000
शनि 25/10/2106	बुध 23/08/2126	केतु 22/10/2132	शुक्र 23/04/2143	00/00/0000
बुध 23/10/2107	केतु 23/10/2127	शुक्र 22/10/2133	सूर्य 23/10/2143	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 7 मा 22 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पूर्वा फाल्गुनी नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। साथ ही कन्या नवमांश एवं धनु राशि के द्रेष्काण द्वारा एक शुभ आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आप भारत स्थित शहरी क्षेत्र के निवासियों के समान जो कार्य काल बसों की प्रतीक्षा और दौड़-धूप कर अपने कार्य पर पहुंचते हैं। उस प्रकार की दिक्कतों का सामना आपको नहीं करना होगा। अर्थात् जन्म के शुभ लक्षण से यह प्रतीत हो रहा है कि आपको जन्म से ही वाहन सुख प्राप्त होगा।

आपको कही भी यात्रा क्रम में सार्वजनिक यातायात के लिए गाड़ी बस ट्रान्सपोर्ट आदि प्रकार की सुविधा हेतु बिना संघर्ष के ही आपकी यात्रा के पथ प्रशस्त होंगे। कही भी बस आदि से यात्रा हेतु कतार में लगकर अपने समय का अपव्यय नहीं करना पड़ेगा। आपको अपनी यात्रा हेतु अपने पास कार-बस आदि उपलब्ध होने का लाभ एवं आनन्द प्राप्त करने का वरदान प्राप्त है। वास्तविकता तो यह है कि आपको अपने स्वयं के पास वाहनों की सुविधा युक्त समर्थ होने का सौभाग्य प्राप्त है।

आपका जीवन उत्तम प्रकार के वाहन सुखों से युक्त, आरामदायक एवं आनन्द से परिपूर्ण रहेगा। आप अपार धन, सम्पत्ति से युक्त कुशाग्र बुद्धि के विद्वान एवं अनेक कलाओं में प्रवीण होंगे। आप सर्वोत्तम प्रकार से अपना जीवन व्यतीत करेंगे। आप निम्नरूपेण उच्च श्रेणी की सेवा एवं कर्म से संबंधित रहेंगे। जो आपके लिए उपयुक्त एवं लाभप्रद प्रमाणित होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सतत कठिन श्रम करने वाले, उपव्यवसाय की खोज में लगे रहने वाले, दृढ़निश्चयी एवं प्रभावशाली प्राणी होंगे। आप सदा-सर्वदा कार्य विन्दु को निर्धारित समय से पूर्व संपन्न करने के पहले ही अन्य कार्य को हस्तगत करने के इच्छुक रहेंगे तथा आप निश्चित रूप से अपने अनुबंध में सफलता प्राप्त करेंगे।

आप भ्रमणप्रिय हैं। आप अपना अधिक समय घर से बाहर अन्यत्र बिताएंगे। किसी प्रकार विवश होकर कुछ समय अपने प्रिय परिवार के लिए बचाकर उनके साथ बिताएंगे। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य से सभी कार्यों को प्रसन्नतापूर्वक संपन्न कर लेंगे।

आपकी मित्र मण्डली बड़ी होगी। आपके मित्र आपको सहानुभूति पूर्वक मान-प्रतिष्ठा प्रदान करेंगे। आप अपने रास्ते से चलेंगे-वे मित्रगण आपका सहयोग करेंगे। मित्रगण आपका उच्चस्तरीय मूल्यांकन कर अपनी दिशा मोड़कर आपकी पंक्ति में खड़े होंगे अर्थात् आपको साथ देंगे।

आप मात्र अपने कर्म व्यवसाय से ही नहीं अच्छे लाभ प्राप्त करेंगे। आप तो सदैव भाग्यशाली समय अर्थात् मौके की तलाश में रहकर अपने भाग्य को दाव पर लगाकर लाभ प्राप्त करेंगे। इसका यह अर्थ नहीं कि आप सदैव ही जुआ खेलकर अपने भाग्योन्नति हेतु प्रयास करेंगे। परन्तु आप यदा-कदा पाशे फेंक कर आपने इस कर्म को लाभदायक प्रमाणित कर सकते हैं।

आपकी महत्वपूर्ण आय प्रयाप्त है, इसमें किसी भी प्रकार की दुर्भावना नहीं है। आप बहुत धन संचय करने में समर्थ नहीं हैं क्योंकि आप जन सामान्य की नजरों में यह प्रदर्शित करेंगे कि आप अपने परिवार को एक धनाढ्य व्यक्ति की तरह भरण पोषण करते हैं। आप सदैव अपनी आय का कुछ अंश अपने घर में व्यय करेंगे।

यद्यपि आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। तथापि बाद में कतिपय रोगादि के प्रति आपको थोड़ी सतर्कता बरतना आवश्यक है। क्योंकि आपका कार्यक्रम व्यस्ततम रहता है तथा लम्बे समय तक कार्यरत रहेंगे।

आपकी यह कार्यतंत्रियाँ अधिक समय तक कार्यरत रहने के लिए सक्षम नहीं भी हो सकता है। फलस्वरूप आपके हृदय पर एवं रीढ़ की हड्डियों पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। अतएव आपको इस व्यस्ततम कार्यक्रम का प्रतिकार कर शान्तिपूर्वक विश्राम ग्रहण करना चाहिए।

आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं जीवन पर अनुकूल प्रभाव हेतु पूर्णिमा का व्रत रखना अच्छा होगा। इससे आपको विभिन्न प्रकार का अति सहयोग प्राप्त होगा।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अनुकूल एवं प्रदोल्लित करने वाले अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक हैं। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए अनुकूल रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। रंग नीला, सफेद एवं काला रंग आपके लिए प्रतिकूल रंग है।